नवभारत
भोपाल, मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025

कलेक्टोरेट है या भूल-भुलैया, भटक जाते हैं यहां पर आने वाले

खास बातें

- कई कलेक्टर बदले पर नहीं हो पाया सुधार
- यहां वहां पूछकर पहुंचते हैं अपनी मंजिल

नवभारत न्यूज

विदिशा 22 दिसम्बर, स्वामी विवेकानंद चौराहे के पास बना नया कलेक्टोरेट कंपोजिट भवन यहां पर बाहर से आने वाले लोगों के लिए भूल भूलैया साबित हो रहे हैं. रोजाना यहां पर शहर समेत आसपास की तहसील और गांव लोग आने वाले लोग यहां पर आकर भटक जाते हैं कि कौन सा ऑफिस कहां पर है और किस कक्ष में संचालित हो रहा है. यह बहुत कम लोगों को मालूम होता है किस किस मंजिल पर किसा विभाग संचालित हो रहा है. जिस समय इस कंपोजित भवन का निर्माण किया गया था उस समय इस बात पर गौर नहीं किया गया था कि कौन से तल पर कौन से विभाग का संचालन हो रहा है.

यहां पर कई विभागों के साथ कई राजस्व विभाग के अधिकारियों के आफिस भी हैं. जिनके बारे में भी ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती है. ऐसे में मजबूरी में बाहर से आने वाले लोगों को यहां वहां पर विभागों के कार्यालय और अधिकारियों के कक्ष के बारे में जानकारी लेना पड़ती है. अभी भी ऐसे कई विभाग जो यहां पर शिफ्ट नहीं किए जा सके जिसके चलते लोग परेशान होते हैं.

कंपोजिट भवन के सामने बोर्ड से मिले जानकारी

अपने काम से आने वाले स्थानीय और बाहर से आने वाले लोगों का कहना है कि कंपोजिट भवन के मेन गेट पर एक वोर्ड लगाया जाए. जिस पर विभाग के नाम और अधिकारियों के नाम व कक्ष क्रमांक और किस मंजिल पर कौन सा विभाग संचातिल होता है इसकी जानकारी आसानी से मिल सके. सबसे ज्यादा परेशानी मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई और आवक जावक शाखा में आवेदन देने वालों के सामने आती है.दरअसल जनसुनवाई में जब बाहर से लोग आते हैं तो उनको यहां पर आकर सबसे पहले यही पूछता पड़ता है कि जनसुनवाई कहां पर हो रही है. जिनकों वहां पर मौजूद लोग बताते हैं कि भवन के पिछले वाले हिस्से में जनसुनवाई का कक्ष बना हुआ है. इसके बाद कई बार आवेदन लेकर आने वाले लोगों को आवक जावक शाखा के कार्यालय और उसके कक्ष क्रमांक के बारे में जानकारी जुटाने में परेशानी होती है. जानकारों ने बताया कि सबसे पहले विभाग का नाम जो इस भवन में संचालित हो रहे हैं. उसके बाद किस मंजिल पर और कौन से कक्ष क्रमांक में संचालित हो रहे हैं इसकी भी जानकारी दर्ज होना चाहिए. वहीं दूसरी तरफ जिला पंचायत का कार्यालय पुरानी कलेक्टोरेट के पास है कई बार यहां पर आने वाले लोगों को जिला पंचायत से भी काम पड़ता है लेकिन दोनों कार्यालयों की दूरी में लंबा फासला होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है.

दिव्यांगों के लिए नहीं है रैंप की व्यवस्था

अपने काम के लिए कलेक्टोरेट के कंपाजिट भवन में आने वाले लोगों में कई दिव्यांग भी होते हैं. उनकों कई बार दूसरी मंजिल पर भी विभागों के अधिकारियों से काम होता है ऐसे में रैंप न होने से भी दिव्यांगों को आने जाने में परेशानी होती है और दूसरों का सहारा लेना पड़ता है.यहां पर रैंप होना जरूरी बताया गया है. इसके अलावा यह भी बताया गया कि भवन के पहले तल पर एक कर्मचारी को टेबिल मुहैया कराई जाए ताकि जिन लोगों को विभागों के कक्ष के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है पूछताछ कार्यालय पर जाकर मालूम कर सकें. वहीं यह भी बताया गया कि जो अन्य सरकारी भवन जो गलियों में किराए के मकानों में संचालित हो रहे हैं उनकों भी यहीं पर शिफ्ट किया जाए ताकि एक ही जगह पर विभाग संचालित होने से हितग्राहियों को यहां वहां पर भटकना नहीं पड़ेगा. वहीं दूसरी मंजिल पर अधिकारियों की बैठक का चेंबर है जहां पर भी जाने आने के लिए दिव्यांगों को परेशानी होती है. इस पर भी अधिकारियों को गौर करना चाहिए ताकि लोगों को सहूलियत हो सके.

महिलाओं, किसानों ने अधिकारियों को थमाईं चूड़ियां

खाद संकट से उफनाया आक्रोश

नवभारत न्यूज

विदिशा 22 दिसम्बर, भले ही सरकारी अफसर दावा कर रहे हों कि किसानों को खाद, यूरिया की परेशानी नहीं आने दी जाएगी. जरूरत के हिसाब से खाद किसानों को दिया जा रहा है. इन दावों के उलट जमीनी हकीकत इसके उलट है. किसान सुबह से लेकर रात तक खाद के लिए यहां वहां पर भटक रहे हैं.

यूरिया खाद की कालाबाजारी को रोकने के लिये विदिशा जिले को पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत टोकन सिस्टम के तहत बायोमेट्रिक मशीन से एन्ट्री कर खाद वितरण की व्यवस्था की गयी है.लेकिन आस पास के जिलों से जिले में यूरिया की कालाबाजारी जारी है. ऐसा ही एक कालाबाजारी का मामला लटेरी क्षेत्र से सामने आया है. जहां लटेरी क्षेत्र में कृषि विभाग ने यूरिया खाद से भरी दो गाड़ियों को जब्त किया था. इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई. जब महिला किसान जब्त खाद वापस लेने विभागीय कार्यालय पहुंची तो अधिकारियों द्वारा उनसे दोबारा भुगतान की मांग की गई. इसी बात से आक्रोशत महिला किसानों ने विरोध का प्रतीकात्मक लेकिन तीखा तरीका अपनाया. महिलाओं ने अधिकारियों के सामने चूड़ियां रखकर नाराजगी जताई और जमकर खरी-खोटी सुनाई. महिला किसानों ने कहा जब हमारी मदद नहीं कर सकते, तो ये चूड़ियां पहन लो. खेती संकट में है और अधिकारी सिर्फ कागजी कार्रवाई में उलझे हैं. किसानों का आरोप है कि एक ओर खाद की भारी कमी है, वहीं दूसरी ओर विभागीय कार्रवाई के नाम पर उन्हें परेशान किया जा रहा है. मामले को लेकर क्षेत्र के किसानों में रोष व्याप्त है.

जब्त यूरिया के नहीं हैं दस्तावेज-खपेड़िया

जिला कृषि अधिकारी केशव खपेड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार रात दो पिकअप वाहन पकड़े गए, जिनमें करीब 160 बोरी यूरिया खाद लदी हुई थी. जांच के दौरान गाड़ी मालिक यूरिया खरीदी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद उसके खिलाफ अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज कर एफआईआर कराई गई और यूरिया जब्त कर लिया गया.जिला कृषि अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि संबंधित व्यक्ति गुना की ओर से अवैध रूप से यूरिया लेकर आ रहा था. जिस दुकान से यूरिया खरीदे जाने का दावा किया जा रहा है, वह पेस्टिसाइड की दुकान बताई जा रही है, जबकि वहां से यूरिया विक्रय की वैध अनुमति नहीं पाई गई तथा बायोमेट्रिक मशीन में भी कहीं इंट्री नहीं है.इधर, मामले की जानकारी मिलने के बाद आज कुछ महिलाएं समिति कार्यालय पहुंचीं और यूरिया देने की मांग की. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब्त यूरिया नियमों के तहत ही वितरित किया जाएगा. महिलाओं से कहा गया कि आधार कार्ड की प्रति और निर्धारित राशि जमा करने पर यूरिया उपलब्ध कराया जा सकता है.

अपराधों पर लगेगा अंकुश - थाना प्रभारी रघुवंशी

नवभारत न्यूज

पठारी, नगर के थाना प्रभारी गौरव रघुवंशी ने पदभार ग्रहण करने के बाद पत्रकार वार्ता में कहा की क्षेत्र में अवैध कार्यों पर अंकुश लगाया जाएगा. अपराधियों पर कार्यवाही की जाएगी वही पत्रकारों के सवाल इस प्रकार रहे पिछले कुछ महीनों से पठारी में लगातार अपराधों की घटनाएं बढ़ रही थीं. आए दिन हो रही चक्का जाम चोरियो जैसे अपराध नगर का माहौल बिगड़ने लगा था.नशे का कारोबार भी यहां तेजी से फैल रहा था, जो चोरी की वारदातों का प्रमुख कारण माना जा रहा है.

आज इन वार्डों में लगेगा शिविर

नवभारत न्यूज

विदिशा, मंगलवार को शहर के वार्ड 9,10 एवं 11 रायपुरा स्कूल में संपत्तिकर, जल कर, सीवेज वसूली प्रकरणों का निराकरण एवं शासन की योजनायें जिनमें संबल कार्ड, राशन पात्रता पर्ची, हाथ ठेला कार्ड, पीएम आवास, विधवा पेंशन, स्वास्थ्य शिविर और आयुष्मान कार्ड समेत अन्य योजनाओं की जानकारी दी जायेगी.

घने कोहरे की चादर, ठंड में इजाफा— अलाव और गर्म कपड़ों का सहारा

नवभारत न्यूज

विदिशा/सांची,नगर सहित आसपास के क्षेत्र में बीते दिनों से घने कोहरे की चादर बिछी हुई है, जिससे मौसम में ठंडक लगातार बढ़ती जा रही है. सुबह और देर रात को कोहरा अधिक घना रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है.

ठंड से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़े पहनने के साथ-साथ अलाव का सहारा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं. सबसे बड़ी बात तो यह है कि सार्वजनिक स्थानों पर जीवन यापन करने वाले लोगों की मुसीबत बढती दिख रही हैं. तापमान भी न्यूनतम ,तक पहुंच गया है जिससे ठंड का असर और तेज हो गया है. कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन चालकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है.सुरक्षा की दृष्टि से अधिकांश वाहन चालक दिन में भी हेडलाइट जलाकर आवागमन कर रहे हैंसजिससे किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके.

स्वास्थ्य चिकत्सकों का कहना है कि इस मौसम में बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. ठंडी हवा और कोहरे से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनने, गरम पेय पदार्थ लेने और अनावश्यक रूप से सुबह-सुबह बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जा रही है.वहीं स्थानीय प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, फॉग लाइट व हेडलाइट का प्रयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके.घना कोहरा और बढ़ती ठंड सांची में जनजीवन की रफ्तार धीमी कर रही है, ऐसे में सतर्कता और सावधानी ही सुरक्षा का सबसे बड़ा उपाय है.

मंगलसूत्र झपटने वाले आरोपी को 3 साल की सजा

नवभारत न्यूज

विदिशा, महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र झपटने के सनसनीखेज मामले में न्यायालय द्वारा आरोपी को सश्रम कारावास की सजा सुनाई है.

अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी मनीष कथोरिया ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके द्वारा आरोपी सचिन लोधी उम्र 24 वर्ष, निवासी हरिपुरा थाना को 3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया। फरियादिया कमला देवी बबेले ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 जुलाई 2022 की सुबह 6. 45 बजे वह रामजानकी शिव मंदिर हरिपुरा में दर्शन कर रही थीं। इसी दौरान आरोपी रिषभ पवार एवं सचिन लोधी स्कूटी से आए और उनके गले से सोने का मंगलसूत्र झपटकर फरार हो गए. अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए समस्त साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनसे सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी सचिन लोधी को दोषी ठहराया. प्रकरण का एक अन्य आरोपी ऋषभ पवार फरार है. जिसे न्यायालय ने फरार घोषित किया है.

सिरोंज के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में जीते 2 रजत, 3 कांस्य पदक

नवभारत न्यूज

सिरोंज, जिला ताइक्वांडो संघ सागर द्वारा 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक आयोजित 37 वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सिरोंज के आदर्श ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ियों ने शामिल होकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया. इस मौके पर सिरोंज के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने 2 रजत तथा 3 कांस्य पदक प्राप्त किये. उक्त जानकारी देते हुए ताइक्वांडो प्रशिक्षक सरदार सिंह कुशवाह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अक्षांश दांगी वजन वर्ग अंडर 38 किलो एवं तेजस्विनी कुशवाह वजन वर्ग अंडर 26 किलो

में रजत पदक प्राप्त किया. वही वेदव्यास, वेदांशी जैन और कनिष्का पालीवाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया. वही दिव्यांश पटेल, आदविका भावसार और वेद व्यास का प्रदर्शन प्रतियोगिता में शानदार रहा. इस मौके पर प्रतियोगिता में पदक जीतने पर खिलाड़ियों के परिजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों तथा शहर के खेल प्रेमियों ने उनको बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

शिलापट्टी से जिपं अध्यक्ष का नाम गायब, बैनर में फोटो भी नहीं लगी

सामुदायिक भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रोटोकॉल उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

नवभारत न्यूज

विदिशा,जिला पंचायत विदिशा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जनपद पंचायत नटेरन के अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़ेर में 8 दिसंबर 2025 को आयोजित सामुदायिक भवन के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के घोर उल्लंघन पर सख्त रुख अपनाया है. कार्यक्रम के दौरान स्थापित शिलापट्ट पर जिला पंचायत अध्यक्ष का नाम अंकित नहीं किया गया तथा बैनर पर उनके फोटो का प्रदर्शन नहीं किया गया, जो शासकीय नियमों एवं प्रोटोकॉल का स्पष्ट उल्लंघन है.

जिला पंचायत अध्यक्ष को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है, अत: जिले में किसी भी शासकीय कार्यक्र म में प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन अनिवार्य है. इस उल्लंघन के लिए जनपद पंचायत नटेरन के उपयंत्री शर्मा, सचिव एवं रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए. मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि ऐसे उल्लंघनों से शासकीय गरिमा प्रभावित होती है तथा भविष्य में सभी पंचायत स्तरीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाएगा. प्रोटोकॉल उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि शासकीय व्यवस्था की मर्यादा बनी रहे.

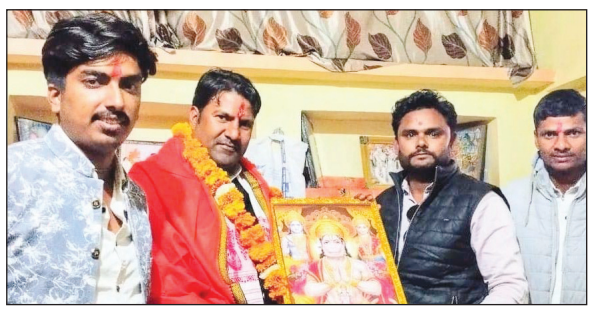

बजरंग दल प्रांत संयोजक का किया स्वागत

नवभारत न्यूज

सिरोंज, बजरंग दल के प्रांत संयोजक अवधेश तिवारी अल्प प्रवास पर सिरोंज आये. इस मौके पर बजरंग दल के पूर्व जिला सह संयोजक रिंकू सुमन, शैलेंद्र रजक ने अपने सहयोगियों के साथ उनका शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया. साथ ही संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की.

सांसद खेल महोत्सव में खेल भावना का उत्सव जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

नवभारत न्यूज

शमशाबाद,खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित सांसद खेल महोत्सव का समापन हुआ. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद लता वानखेडे एवं विधायक सूर्य प्रकाश मीणा उपस्थित रहे.

दोनों जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया.सांसद लता वानखेडे ने कहा कि खेल जीवन को दिशा देने का कार्य करते हैं. खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण और टीम भावना का विकास करते हैं. विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि खेल महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं. खेलों से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक मजबूती भी मिलती है. सांसद खेल महोत्सव में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष भारती प्रदीप माहेश्वरी, जनपद अध्यक्ष संगीता यशपाल रघुवंशी, जिला खेल अधिकारी प्रदीप सिंह रावत,राजेन्द्र जैन, डॉ भैरों सिंह गुर्जर, शैलेन्द्र ठाकुर,सचिन तिवारी, प्रहलाद यादव, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद धाकड़, भाजपा नेता मुकेश तिवारी,जनपद सी ई ओ गगन वाजपेई, बी आर सी ईश्वर शर्मा,हनीफ खान, कबड्डी कोच मयूर भार्गव सहित गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

नपं की सामान्य सभा में कई प्रस्ताव पारित, कुछ मुद्दों पर हुआ तीखा विरोध

नवभारत न्यूज

कुरवाई 22 दिसम्बर,नगर परिषद की सामान्य सभा की बैठक में विकास, कर निर्धारण, स्वच्छता और प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई.बैठक में जहां कुछ प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए, वहीं कुछ मुद्दों पर कांग्रेस पार्षदों सहित विपक्ष ने विरोध दर्ज कराया. बैठक में एक देश, एक चुनाव विषय पर लाए गए प्रस्ताव पर कांग्रेस पार्षदों ने विरोध प्रस्तुत किया, हालांकि प्रस्ताव पारित हो गया. वहीं जीएसटी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया.

लोकल फॉर वोकल प्रस्ताव को भी सभा की स्वीकृति मिली.नगरीय जल कर बढ़ाने के प्रस्ताव पर परिषद ने राहत देते हुए जल कर राशि नहीं बढ़ाने का निर्णय लिया. अवैध नल कनेक्शन पकड़े जाने पर 2000 जुर्माना एवं शेष राशि किस्तों में जमा कराने का निर्णय लिया गया.सम्पत्ति कर के अंतर्गत लगभग 2200 कनेक्शनों की जानकारी दी गई. विकसित नगरीय क्षेत्रों में विकास शुल्क आवासीय हेतु 5 प्रति वर्गफुट तथा व्यावसायिक हेतु 10 प्रति वर्गफुट निर्धारित किया गया.शासकीय स्वीकृति टेंटों की दर निर्धारण को लेकर पुराने भुगतान के मुद्दे पर बैठक में तीखी बहस हुई. इस पर पार्षद इलियास मोहम्मद इलू ने विरोध दर्ज कराया कहा कि नगर परिषद ने पिछले कई बार टेंट का कार्य नगर परिषद द्वारा किया गया करवाया गया.आज तक उनका भुगतान नहीं हो पाया विधायक हरि सिंह सप्रे ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. विधायक सप्रे ने विशेष निधि के विषय में कहा कि वे मुख्यमंत्री एवं नगरीय विकास मंत्री से चर्चा कर शीघ्र स्वीकृति का प्रयास करेंगे.विधायक प्रतिनिधि सीताराम सैनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर परिषद में खर्चे और बिल पार्षदों की जानकारी के बिना लगाए जा रहे हैं, जो गलत है. उन्होंने मांग की कि पीआईसी के सभी निर्णय पार्षदों के संज्ञान में लाए जाएं तथा नगर परिषद के सभी कर्मचारियों की सूची 15 दिनों के भीतर सार्वजनिक की जाए. उन्होंने शव वाहन में टायर न होने और सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए.पार्षद अभिषेक सप्रे ने कहा कि सफाई के नाम पर परिषद की स्थिति शून्य है. उपाध्यक्ष इरफान काजी ने मांग रखी कि पार्षदों की टीप के बाद ही कर्मचारियों को वेतन दिया जाए.पार्षद हस्रुद्दीन खान ने बस स्टैंड हटाने की मांग उठाई तथा विकास कार्यों की डीपीआर तैयार होने में देरी का कारण कंपनी प्रतिनिधि के आने में विलंब बताया.पार्षद जफर शेख ने नगर परिषद की खराब पड़ी कचरा गाड़ियों एवं अन्य वाहनों के शीघ्र निराकरण की मांग की.

नामांतरण में नहीं किया जाए भेदभाव-विधायक

विधायक सप्रे ने स्पष्ट किया कि नामांतरण में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा तथा पार्षद की टीप के बिना नामांतरण नहीं किया जाएगा. नामांतरण में क्रेता-विक्रेता की सहमति अनिवार्य होगी.उन्होंने कहा कि नगर परिषद छोटे-मोटे विकास कार्य स्वयं करेगी और सीएमओ पार्षदों के साथ वार्डों में भ्रमण कर स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक करेंगे. विधायक सप्रे ने सभी पार्षदों को साथ लेकर मुख्यमंत्री से भेंट करने की बात कही और कहा कि बीपीसीएल रिफाइनरी में क्षेत्र से कच्चा माल जाने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी.अंत में पार्षदों द्वारा शहर में गड्ढों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया.बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनी तो कुछ विषयों पर तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली.

कार्यवाही | **जारी है अतिक्रमण हटाने की मुहिम, बड़े अतिक्रमणकारी अब भी पहुंच से बाहर**

मेन रोड से हटाया अतिक्रमण, कारोबार हद में करने की हिदायत

नवभारत न्यूज

विदिशा, शहर के मेन रोड समेत गलियों में जमकर हुए अतिक्रमण से होने वाली परेशानी को देखते हुए नपा, प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जारी रही.

कोतवाली और पुरानी नपा के आसपास हुए कच्चे और पक्के अतिक्रमण को हटाया गया. यहां पर चाट के ठेले, गुमठियां और जूते चप्पल सुधारने की दुकानें लगी हुई थीं. जिनको हटया गया सीएमओ दुर्गेश ठाकुर की मौजूदगी हटाए गए अतिक्रमण के दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध भी दर्ज कराया कि दुकान हटने से दुकानदार बेरोजगार हो जाएगें. वहीं गुमठियों और ठेलों को जब्त करने से भी दुकानदार अपनी दुकानें संचालित नहीं कर पाएगें ऐसे में दुकानदारों को समय दिया गया कि वह दुकानों रखा सामान हटा लें व आगे से अतिक्रमण न करें. यहां पर कई दुकानदारों ने पुराने नपा भवन के सामने बनी पानी की टंकी पर ही कब्जा कर लिया था तो कई लोगों ने तंबू तक तान दिए थे जिनको सख्ती से हटाया गया. अतिक्रमण हटाने वाली टीम में शामिल चंद्रभान सिंह ने बताया कि कुछ लोगों ने अतिक्रमण हटाने का विरोध किया जिनको समझाईस दी गई और उनका अतिक्रमण हटाने के साथ यह भी हिदायत दी गई कि दोवारा से अतिक्रमण न किया जाए.

पीतलमील पर सबसे ज्यादा अतिक्रमण

कुछ दिन पहले पीतलमील चौराहे से आगे चर्च के सामने से और मंदिर के पास से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी. यहां पर गुमठियों का संचालन करने वाले दुकानदारों ने बताया कि वह सड़क से काफी दूर हैं इसके बाद भी कई गुमठियों को हटा दिया गया और जिन लागों की दुकानों को नहीं हटाया गया उनको समझाइस दी गई कि वे स्वेच्छा से अपनी दुकानों को हटा लें. पीतलमील चौराहे पर सबसे ज्यादा अतिक्रमण है खासतौर पर शराब की दुकान के आसपास के दुकानदारों ने 10 से 15 फीट तक पक्का अतिक्रमण कर रखा है. जिससे शाम के समय दो पहिया वाहन भी सही से नहीं निकल पाते हैं. यहां पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाने की सबसे ज्यादा जरुरत है. वहीं पक्की दुकानों के आगे भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया जा चुका है जिसको अभी तक नहीं हटाया गया. इस इलाके में सिर्फ हाथ ठेले और गुमठियों को ही अतिक्रमण मानकर कार्यवाही की जा रही है.